A–0438

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BASL–101

कला में स्नातक (बी.ए.)

नाटक, अलंकार एवं छन्द

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये :

सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमान्शोर्लक्ष्मलक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिवहि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।

2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाट्यशास्त्रीयवैशिष्ट्य लिखकर कालिदास की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

3. श्लेष और यमक अलंकारों का सोदाहरण लक्षण लिखिए।

4. उपमा व अतिश्योक्ति अलंकारों का सोदाहरण लक्षण लिखिए।

5. अभिज्ञानशाकुंतलम् के आधार पर कालिदास की काव्य प्रतिभा का उल्लेख करते हुए शकुन्तला का चरित्र-चित्रण कीजिये।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. शिखरिणी छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

2. वर्णसाम्यमनुप्रासः को स्पष्ट कीजिए।

3. रूपक अलंकर का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

4. संदेह अलंकर का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

5. तगण, भगण, दो जगण तथा दो गुरु वाले छंद का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

6. दुष्यंत का चरित्र-चित्रण कीजिये।

7. टिप्पणी लिखिए-तत्र श्लोक चतुष्टयम्।

8. टिप्पणी लिखिए—अर्थो हि कन्या परकीय एव।

****